

पूर्व IAS दिव्या मित्तल ने राजनीति में उतरने का किया औपचारिक ऐलान, बनाई नई पार्टी 'जननीति भारत'

नवरात्र में मां विंध्यवासिनी का दर्शन कर उन्होंने राजनीतिक पारी शुरू करने का फैसला लिया



दिव्या मित्तल स्वयं उत्तर प्रदेश तके मिर्जापुर सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी

चुनावी लक्ष्य: UP विधानसभा 2027 पार्टी ने 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। दिव्या मित्तल स्वयं मिर्जापुर सदर सीट से चुनाव लड़ेंगी। 2022 में यहां से भाजपा के रमाकर मिश्रा जीते थे। वीडियो में दिव्या ने कहा - देश में पार्टियों की कमी नहीं, सुनवाई की कमी है। राजनीति आप पर राज करती है, जननीति में राज आपका होगा। उन्होंने 9 साल पुराना वीडियो भी शेयर किया जब 2017 में नीति आयोग में असिस्टेंट सेक्रेटरी रहते हुए उन्होंने पीएम मोदी के सामने जनता को सीधे सरकार से जोड़ने के लिए ऐप का प्रेजेंटेशन दिया था।

जनता से पूछो, वो कैसे मिलेगा यह विशेषज्ञ से पूछो। 2. जरूरत से फैसला, फैसले में बराबरी - हर फैसला जरूरत देखकर होगा, पहचान देखकर नहीं। न जाति, न धर्म, न हैसियत। हैंडपंप, सड़क या खड़ुआ - जहां जरूरत सबसे बड़ी, काम वहीं से शुरू। 3. जनता को हिसाब, हिसाब से सुधार - हर सरकारी काम का हिसाब जनता फोन पर नक्शे में देख सकेगी - क्या काम हो रहा है, कब तक पूरा होगा, लागत कितनी है। पढ़े-लिखे और प्रशासनिक अनुभव वाले लोगों के राजनीति में आने से व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। क्या इससे देश और प्रदेश की राजनीति का कायाकल्प होगा, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन मिर्जापुर की सियासत में हलचल जरूर तेज हो गई है।

स्टेट कराटे चैंपियनशिप में भिलाई के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

नई दृष्टि बिंदु / भिलाई बिलासपुर में आयोजित स्टेट कराटे चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ ने ओवर ऑल चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। राज्य के खिलाड़ियों ने कुल 49 पदक अपने नाम किए, जिसमें 23 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इस शानदार सफलता में भिलाई के खिलाड़ियों का प्रदर्शन सबसे दमदार रहा। 6 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक के आयु वर्ग में भिलाई के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और कठिन प्रशिक्षण का परिचय दिया। कराटे डू अकैडमी की ओर से सात बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे कराटे प्रशिक्षिका अर्पणा चक्रवर्ती और बिसी कल्याण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने निरंतर अभ्यास कर यह मुकाम हासिल किया। भिलाई के खिलाड़ियों की इस सफलता से अकैडमी, प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। कराटे डू अकैडमी ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परिचय दिया। कराटे डू अकैडमी की ओर से सात बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे कराटे प्रशिक्षिका अर्पणा चक्रवर्ती और बिसी कल्याण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने निरंतर अभ्यास कर यह मुकाम हासिल किया। भिलाई के खिलाड़ियों की इस सफलता से अकैडमी, प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। कराटे डू अकैडमी ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भिलाई के खिलाड़ियों की इस सफलता से अकैडमी, प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। कराटे डू अकैडमी ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बस किराया बढ़ोतरी जनता पर डकैती सरकार वसूली में लगी है: दीपक बैज

नई दृष्टि बिंदु / रायपुर

बस किराए में बढ़ोतरी को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने साय सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक साल के भीतर दूसरी बार बस किराए में 75 प्रतिशत तक की बेतहाशा वृद्धि आम

तत्काल वापस लेने की मांग की। पटवारी हड़ताल, PSC परीक्षा स्थगन पर भी घेरा बैज ने कहा कि पटवारी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे धान खरीदी और पंजीयन बाधित हो रहा है। सरकार को हड़ताल खत्म करानी चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़िया की जेब पर सीधी डकैती है। यह मजदूर, किसान और छात्रों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। बैज ने कहा कि महतारी वंदन के नाम पर 1000 रुपये की पब्लिसिटी करने वाली सरकार अब किराए के रूप में हर परिवार से हजारों रुपये वसूल रही है। खाद्य सामग्री, तेल, दाल, बिजली, डीजल-पेट्रोल और गैस के दाम पहले ही बढ़े हुए हैं, अब बस किराया बढ़ाकर डबल इंजन सरकार महंगाई बढ़ा रही है। कांग्रेस ने इस फैसले को



लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हुए बैज ने कहा कि तिरपाल, सुतली जैसी सामग्री खरीदने का अधिकार स्थानीय समितियों का है, जिसे छीना जा रहा है।

बिजली बिल के अलावा कोयले का अतिरिक्त प्रभार वसूला जा रहा

बैज ने आरोप लगाया कि अक्टूबर में उपभोक्ताओं से 300 से 1000 रुपये तक अतिरिक्त कोयला प्रभार वसूला जा रहा है। जिन्होंने सिर्फ बिजली बिल पटया और यह प्रभार नहीं पटया, उनकी बिजली काटी जा रही है। भाजपा सरकार ने बिजली विभाग को जबरिया वसूली का विभाग बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद पांचवीं बार बिजली के दाम बढ़ाए गए हैं। इस साल जुलाई में घरेलू में 30 से 50 पैसे और गैर घरेलू में 20 से 40 पैसे की बढ़ोतरी हुई, साथ ही 12 प्रतिशत इंधन अधिभार भी लगाया गया। अब तक कुल 31.23 प्रतिशत दाम बढ़ चुके हैं, जबकि कांग्रेस सरकार में 5 साल में केवल 2 पैसे बढ़ोतरी हुई थी और 400 यूनिट तक हाफ योजना लागू थी।

जुबिन नौटियाल के गीतों से झूमा दिग्विजय स्टेडियम

राज्यपाल रमेन डेका और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने की राग नांदगांव कार्यक्रम में शिरकत

कैलाश जैन / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के जन्मदिन के अवसर पर युवा बेलफेयर फाउंडेशन द्वारा दिग्विजय स्टेडियम में आयोजित भव्य 'राग नांदगांव' कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने शिरकत की। देर रात तक चले इस संगीतमय आयोजन में बॉलीवुड के प्रख्यात पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से हजारों श्रोताओं की मंत्रमुग्ध कर दिया। राजनांदगांव मेरी शान, अभिमान और

पहचानर - डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया और राजनांदगांव की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव की धरती ऐतिहासिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से समृद्ध है। यह मुक्तिबोध, पदमलाल पुनालाल बख्शी और डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र जैसे विभूतियों की कर्मभूमि रही है। उन्होंने कहा, मेरा जन्म कवर्धा के रामपुर में हुआ, लेकिन राजनांदगांव ने मुझे राजनीतिक जीवन में नई पहचान दी। राजनांदगांव मेरी शान है, मेरा अभिमान है, मेरी पहचान है और राजनांदगांव की वजह से ही रमन का अस्तित्व है। राजनांदगांव की जनता का स्नेह और अपनापन ही मेरी सबसे बड़ी पूजी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ और असम के ऐतिहासिक

संबंधों का भी उल्लेख किया। डॉ. सिंह ने नवरात्रि के दौरान मां बलेश्वरी दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे युवाओं की सराहना की और युवाओं को आत्मविश्वास और हठ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस दौरान उनके आह्वान पर हजारों नागरिकों ने मोबाइल की रोशनी जलाकर एकता और उत्साह का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया, जिससे पूरा स्टेडियम जगमगा उठा।

संजीवनी ने दी बधाई कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि डॉ. रमन सिंह का प्रदेश की जनता के हृदय में विशेष स्थान है। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहते हुए डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ़ को नई दिशा दी, ढाऊ को सुदृढ़ किया और उड़ल जैसी पारदर्शी व्यवस्था लागू की। महापौर मधुसूदन यादव ने भी जन्मदिन की बधाई दी।

जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति ने बांधा समां जुबिन नौटियाल ने 'एक मुलाकात', 'बहुत आई गई यादें ममार', 'मेरे घर राम आए हैं', 'श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी' जैसे सुपरहिट गीतों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, उच्च शिक्षा मंत्री टंकाम वर्मा, विधायक धरमलाल कौशिक, राजेश मृगत, भावना बोहरा, महंत राजीव लोचन दास, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, एसपी अंकिता शर्मा सहित बड़ी संख्या में जगप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे।



राज्यपाल रमेन डेका ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को दी जन्मदिन की बधाई



जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने डॉ. रमन सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने राज्यपाल श्री डेका के प्रति आभार व्यक्त किया।

71 साहित्यकारों की सहभागिता से रचा इतिहास, काव्य रसिक संस्थान के प्रयास को अंतरराष्ट्रीय पहचान साहित्यकार मृदुला रोजेंदार की कृति "स्वच्छ भारत एक संकल्प" को अमेरिकन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सम्मान

कैलाश जैन बरमेचा / दुर्ग



में तैयार इस कृति में भारत और विदेशों के कुल 71 साहित्यकारों ने अपना रचनात्मक योगदान दिया है। पुस्तक में स्वच्छता, पर्यावरणीय चेतना, नागरिक कर्तव्य



और स्वच्छ भारत के संकल्प को कविता, कहानी और लेखों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। संस्थान को प्राप्त प्रमाणपत्र के अनुसार अमेरिकन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने प्रमाणपत्र क्रमांक



वरअडहफा 147, दिनांक 7 अक्टूबर 2026 को यह सम्मान जारी किया है। यह सम्मान सामूहिक साहित्यिक सहयोग और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण का परिणाम है।

संपादक मंडल में हर्ष पुस्तक की प्रमुख साहित्यकार मृदुला रोजेंदार को इस उपलब्धि पर साहित्यकारों ने बधाई दी है। काव्य रसिक संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पुस्तक के संपादक डॉ. राम रतन श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान 71 साहित्यकारों के साझा प्रश्रम और सकारात्मक सोच का परिणाम है। उन्होंने सभी सहभागियों का आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में इस पुस्तक को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। स्वच्छ भारत एक संकल्प केवल पुस्तक नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का आंदोलन है जो समाज को सकारात्मक दिशा दे रही है।

वरअडहफा 147, दिनांक 7 अक्टूबर 2026 को यह सम्मान जारी किया है। यह सम्मान सामूहिक साहित्यिक सहयोग और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण का परिणाम है।

भिलाई के लिए गौरव का पल, जी. सुरेश पिछ्छे भारतीय महिला हैंडबॉल टीम के टीम मैनेजर नियुक्त

नई दृष्टि बिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है। भिलाई निवासी श्री जी. सुरेश पिछ्छे (बेबे) को भारतीय महिला हैंडबॉल टीम का टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है। हैंडबॉल एसोसिएशन (इंडिया) के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार, सुरेश पिछ्छे बांग्लादेश के ढाका में 18 से 22 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली कठ्ठर ट्रांफी सीनियर वुमेन्स हैंडबॉल



औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। भिलाई के खेल जगत में इस नियुक्ति से हर्ष का माहौल है। सुरेश पिछ्छे लंबे समय से हैंडबॉल के विकास से जुड़े रहे हैं।

सच्ची खबर, सही खबर सबसे पहले, सबसे तेज हर खबर, हर अपडेट अब YouTube पर

YouTube

Nai Drishti Bindu

Nai Drishti Bindu news

NDB News

nai drishti bindu channel

Nai Drishti Bindu News

65.55 lakh+ views

SUBSCRIBE

हमारे चैनल को YouTube पर सर्च करें

Nai Drishti Bindu

हमारे साथ जुड़ें

5K+ SUBSCRIBERS

804 VIDEOS

65.55 LAKH+ VIEWS

विश्वसनीय पत्रकारिता का विश्वास सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

हमारी साथ जुड़ें

ताजा खबर

आज की खबर

जानकारी

एक्सक्लूसिव वीडियो

अभी SUBSCRIBE करें

और पाएं हर खबर सबसे पहले!

हम नहीं दिखाते सिर्फ खबर, हम दिखाते हैं नई दृष्टि!

आया त्योहार, चलो बाजार अभियान का भव्य शुभारंभ



स्थानीय बाजारों से खरीदारी की अपील

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में त्योहारी सीजन में स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनजागरूकता अभियान 'ह्या अया त्योहार, चलो बाजार' का भव्य शुभारंभ किया गया। अभियान के माध्यम से नागरिकों से ऑनलाइन शॉपिंग के बजाय स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने और व्यापारियों को प्रोत्साहित करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुषमा जेठानी, चेयरमैन श्री दिनकर बासोतिया, पुरुषोत्तम टावरी, जय शर्मा, जीपी तिवारी, शंकर लाल देवांगन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। टाटा सोलर के प्रमुख अधिकारी, डिस्ट्रीब्यूटर टीम और इस्टा होस्पिटल की टीम ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि स्थानीय बाजारों से खरीदारी करना केवल व्यापारियों का सहयोग करना नहीं, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। त्योहारी सीजन व्यापारियों के लिए वर्ष का अहम समय होता है। ऐसे में स्थानीय दुकानों से खरीदारी करने पर व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है, रोजगार के

अवसर बढ़ते हैं और बाजारों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलती है।

अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए तैयार संदेश वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने के लिए प्रेरित करेगा और अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगा।

भिलाई चेम्बर के अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने कहा कि स्थानीय व्यापारी वर्षभर ग्राहकों की सेवा करते हैं। त्योहारों के दौरान वे बाजारों को आकर्षक बनाते और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष तैयारियां करते हैं। ऐसे में नागरिकों का भी दायित्व है कि वे स्थानीय दुकानदारों का सहयोग करें और अपने शहर के बाजारों को समृद्ध बनाएं।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहारों पर खरीदारी के लिए स्थानीय बाजारों को प्राथमिकता दें। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ समाज के विभिन्न वर्गों को रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर मिलेंगे। अभियान का संदेश है कि स्थानीय बाजारों से खरीदारी कर स्थानीय व्यापार को बढ़ावा दें और अहम समय होता है। ऐसे में स्थानीय दुकानों से खरीदारी करने पर व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है, रोजगार के

उद्योगों को मिलेगी 24 घंटे निर्बाध बिजली

संजय मिश्र के नेतृत्व में लघु उद्योग भारती को मिली बड़ी सफलता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लघु उद्योग भारती, जिला दुर्ग के प्रतिनिधि मंडल ने आज उरदउरुछ के कायपालन निदेशक शैलेश जी से उनके कार्यालय में मुलाकात कर औद्योगिक क्षेत्रों में हो रही अनियमित विद्युत कटौती को लेकर ज्ञापन सांपा। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष संजय मिश्र, उपाध्यक्ष रमेश जांगड़ा, सचिव ओम प्रकाश रजक, सदस्य श्री अशोक कुमार द्विवेदी एवं प्रोतेस बेगाने उपस्थित थे। बैठक में प्रतिनिधि मंडल ने

बताया कि विगत 2 माह पूर्व मुख्य कायपालन निदेशक के साथ हुई बैठक में तय हुआ था कि अघोषित कटौती बंद होगी, मंटेनेंस हफ्ते में एक दिन होगा, खराब ईसुलेटर बदले जाएंगे और ग्रामीण व औद्योगिक लाइन अलग की जाएगी, परन्तु आज तक उस पर अमल नहीं हुआ। कायपालन निदेशक शैलेश जी ने ज्ञापन को लिखित में स्वीकार करते हुए सभी समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी टूटे-फूटे तारों एवं ईसुलेटरों को तत्काल बदला



जाएगा, अघोषित कटौती बंद की जाएगी और ग्रामीण व औद्योगिक लाइनों को अलग किया जाएगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उन्होंने इन सभी कार्यों के लिए एक माह की समय-सीमा निर्धारित की है और हर हफ्ते प्रोग्रेस रिपोर्ट देने तथा नए सब-स्टेशन के निर्माण पर भी सहमति दी है। उन्होंने हर स्थिति में उद्योगों को पूर्ण सहयोग करने की बात कही। लघु उद्योग भारती ने इस सकारात्मक पहल के लिए CSPDCL प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

जेएलएनएच आरसी में अंतरराष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह का आयोजन

नर्सिंग विद्यार्थियों ने नाट्य प्रस्तुति से दिया स्वच्छता का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) में 12 से 16 अक्टूबर तक अंतरराष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह 2026 मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'ह्रस्व संक्रमण निवारण की पीढ़ियां : अतीत, वर्तमान और सुरक्षित भविष्य' रखी गई है। इसका उद्देश्य चिकित्सालय के सभी श्रेणियों के कमचारियों में संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित चिकित्सा प्रक्रियाओं के पालन को प्रोत्साहित करना है। सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्यकर्मियों और सहायक कमचारियों के लिए शैक्षणिक, सहायक एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से मरीजों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं और अस्पताल में होने वाले संक्रमणों की रोकथाम के महत्व को रेखांकित किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत जेएलएनएचआरसी के ओपीडी ब्लॉक में संक्रमण निवारण संबंधी जागरूकता पोस्टर प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष (चिकित्सा) डॉ. उदय कुमार को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में हाथों की



स्वच्छता, श्वसन संबंधी स्वच्छता, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीडी) का उचित उपयोग, अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और संक्रमण से बचाव के निर्धारित मानकों के पालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रदर्शित किया गया।

जनजागरूकता अभियान के तहत श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने संक्रमण निवारण एवं नियंत्रण पर शिक्षाप्रद नाट्य प्रस्तुति दी। इसके माध्यम से स्वच्छता की सुरक्षित आदतों को अपनाने और संक्रमण के प्रसार को रोकने के उपायों को सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के जरिए मरीजों, उनके परिजनों, आगतुकों और आम नागरिकों को संक्रमण नियंत्रण के प्रति जागरूक करने का

प्रयास किया गया।

अंतरराष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह का उद्देश्य संक्रमण नियंत्रण को दैनिक चिकित्सा प्रक्रियाओं का अभिन्न हिस्सा बनाना और इसमें अस्पताल के प्रत्येक कमचारियों की भूमिका को रेखांकित करना है। संक्रमण की रोकथाम केवल चिकित्सा कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अस्पताल से जुड़े सभी लोगों का साझा दायित्व है।

जेएलएनएचआरसी में आयोजित यह अभियान मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, संक्रमण के जोखिम को कम करने तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

भिलाई स्टील प्लांट में कॉपर ट्यूब चोरी, 38 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के कोक ओवन जेटी एरिया में कॉपर ट्यूब चोरी के मामले में भिलाई भट्टी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 10 किलोग्राम कॉपर ट्यूब के टुकड़े और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त कॉपर ट्यूब की कीमत 12,780 रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर को भिलाई स्टील प्लांट के कोक ओवन जेटी एरिया में बैटरी क्रमांक 9-10 के पास कॉपर ट्यूब चोरी की घटना सामने आई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। विवेचना के दौरान संदेह के



आधार पर हेमराज साहू उर्फ गोलू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी प्लांट के अंदर से कॉपर ट्यूब के टुकड़े चोरी कर मोटरसाइकिल से बाहर ले जाने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने बोरिया गेट के पास कारवाई करते हुए उसके

कब्जे से 10 किलोग्राम कॉपर ट्यूब और मोटरसाइकिल क्रमांक उऊ 07 रछ 8761 जब्त की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हेमराज साहू उर्फ गोलू (38 वर्ष), निवासी मकान नंबर 12/23, गांधी चौक, उईई, जिला दुर्ग के रूप में हुई है।

कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु शिविर नागरिकों के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। इसी क्रम में श्री शांति लाल यादव को भवन निर्माण की अनुमति से संबंधित प्रक्रिया के लिए भूमि के दस्तावेजों की आवश्यकता थी। उन्होंने सेवा सेतु शिविर में बी-1 (खतौनी) और पी-2 (खसरा) की प्रतिलिपियां प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। संबंधित अधिकारियों ने त्वरित कारवाई करते हुए उन्हें मौके पर ही आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए।

इसी तरह श्री कमल नारायण और श्री संतराम पटेल ने भी अपने कार्यों के लिए भू-अभिलेख

सेवा सेतु शिविर में मौके पर मिले भूमि संबंधी दस्तावेज



संबंधी दस्तावेज प्राप्त करने आवेदन दिए। संबंधित अधिकारियों ने उनके आवेदनों पर कारवाई करते हुए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की।

श्री कमल नारायण ने बताया कि बी-1 और पी-2 की प्रतिलिपियां भूमि से संबंधित विभिन्न राजस्व

एवं शासकीय कार्यों में उपयोगी होती हैं। शिविर में इन दस्तावेजों की उपलब्धता से नागरिकों को आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर मिल रही है। इससे समय और श्रम की बचत हो रही है। हितग्राहियों ने इस सुविधा के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

भिलाई-3। घर का दरवाजा खुला छोड़कर सो रहे युवक का मोबाइल फोन चोरी होने के मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, चरीदा के नवीन नगर में ज्योति होस्पिटल के पीछे रहने वाले आशीषाद मानवेन्द्र (26) ने शिकायत दर्ज कराई कि 12 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे वह घर का दरवाजा खुला छोड़कर सो गया था। रात करीब 2 बजे उसका भाई ड्यूटी से घर लौटा और उसे जगाकर बताया कि फोन लगाने पर कोई जवाब नहीं मिल रहा है।

इसके बाद मोबाइल की तलाश की गई, लेकिन वह घर में नहीं मिला। प्रार्थी ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, जिसके आधार पर पुलिस ने चरीदा निवासी मनीष कुमार यादव (28) की पहचान की।

श्री प्लस पेंट की फैक्ट्री में 75 विद्यार्थियों ने समझी उत्पादन प्रक्रिया, उद्योगपतियों ने बताए सफलता के मंत्र

शंकराचार्य यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बीबीए और एमबीए के 75 छात्र-छात्राओं ने दुर्ग औद्योगिक क्षेत्र के रसमड़ा स्थित श्री प्लस पेंट की फैक्ट्री का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पेंट उद्योग की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण और व्यवसाय संचालन की बारीकियों को करीब से समझा। उद्योगपतियों ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के गुर बताते हुए स्वरोजगार और उद्योग स्थापना के लिए प्रेरित किया।

भ्रमण के दौरान श्री प्लस पेंट के निदेशक संजय मिश्रा ने विद्यार्थियों एवं फैक्टरी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कंपनी की स्थापना से लेकर सफलता तक के सफर की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि उद्योग को केवल किताबों से नहीं, बल्कि धरातल पर जाकर समझा जा सकता है। मेहनत, ईमानदारी और गुणवत्ता किसी भी व्यवसाय की सफलता के प्रमुख आधार हैं।



मिश्रा ने विद्यार्थियों को बताया कि किस तरह एक स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ पेंट ब्रांड अपनी गुणवत्ता और बेहतर कार्यप्रणाली के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकता है। उन्होंने व्यवसाय में लागत प्रबंधन, बाजार की संभावनाओं और भविष्य में उद्योग के विस्तार

के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों ने देखी पेंट निर्माण की प्रक्रिया

औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने फैक्ट्री में पेंट, वॉल पेंट और इमल्शन बनाने की प्रक्रिया देखी। साथ ही ब्रश, रोलर और स्प्रे के

माध्यम से पेंट लगाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी प्राप्त की। कंपनी के विशेषज्ञों ने गुणवत्ता परीक्षण और उत्पादन के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से बताया।

उद्योगपतियों ने साझा किए अनुभव कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पैकेजिंग के नंदकुमार गुप्ता ने उद्यमिता विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं, प्रकाश पैनल के निदेशक ओम प्रकाश रजक ने पेंट उद्योग की चुनौतियां और व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर माइक्रोटेक के निदेशक रमेश भाई जांगड़ा और अशोक कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के प्रोफेसरों ने संजय मिश्रा सहित उपस्थित उद्योगपतियों का सम्मान किया। औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने उद्योग संचालन, गुणवत्ता प्रबंधन और उद्यमिता की संभावनाओं को समझते हुए इस अनुभव को उपयोगी बताया।

अवैध शराब बेचने की तैयारी में था आरोपी 34 पौवा शराब जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग। अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए दुर्ग पुलिस की कारवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में रानीतराई पुलिस ने शासकीय महाविद्यालय के पीछे पुलिसिया के पास दबिश देकर एक व्यक्ति को 34 पौवा देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत 3,660 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 15 अक्टूबर को जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, 15 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि ग्राम रानीतराई में शासकीय महाविद्यालय के पीछे पुलिसिया के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी शराब रखकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और



घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से नीले-सफेद रंग की बोरी में रखे शोले मसाला देशी मदिरा के 34 पौवा बरामद किए गए। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 101/2026 के

तहत आवकारी अधिनियम की धारा 34(2) में मामला दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनील पारधी (35 वर्ष), निवासी पारधी पारा, रानीतराई के रूप में हुई है। पुलिस ने वैधानिक कारवाई पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया।

बीएसपी के एसएमएस-3 में 129 टन की हुड असेंबली का सफल प्रतिस्थापन



52.5 मीटर लंबी संरचना बदलने की तकनीकी चुनौती पूरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शाप-3 (एसएमएस-3) में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हासिल करते हुए कन्वर्टर-1 के गैस कूलिंग सिस्टम की 129 टन वजनी और 52.5 मीटर लंबी हुड असेंबली का पहली बार पूर्ण प्रतिस्थापन किया है। सीमित कार्यस्थल, ईओटी क्रेन की अनुपलब्धता और चुनौतीपूर्ण परिवालन परिस्थितियों के बीच पूरा किया गया यह कार्य संयंत्र की तकनीकी दक्षता, बेहतर कार्ययोजना और अंतरविभागीय समन्वय का उदाहरण है।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एमएंड्यू) विजय कुमार बेहरा और मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्य में योगदान देने वाले कर्मियों की सराहना की। अधिकारियों ने कठिन परिस्थितियों में कार्य निष्पादन, तकनीकी दक्षता, अनुशासन, टीम भावना और सुरक्षा मानकों के प्रति सजगता को उल्लेखनीय बताया। हुड असेंबली प्रतिस्थापन में विशेष योगदान देने वाले सहयोगी संस्थाओं के कर्मियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति-उपहार देकर सम्मानित किया गया।

धिसाव और जल रिसाव की समस्या का समाधान
कन्वर्टर-1 के गैस कूलिंग सिस्टम में मुवेबल हुड, फिक्स्ड हुड के पार्ट-1 एवं पार्ट-2 तथा डिफ्लेक्शन बेंड के पार्ट-1 एवं पार्ट-2 शामिल हैं। उच्च तापमान वाली गैसों, अपघर्षक कणों और लगातार तापीय दबाव के कारण हुड की ट्यूबों में अत्यधिक धिसाव, मोटाई में कमी, दरारें और बार-बार जल रिसाव जैसी

समस्याएं सामने आ रही थीं। इन समस्याओं के स्थायी समाधान, उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ाने और परिवालन सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से पूरी हुड असेंबली को बदला गया। इस कार्य से गैस कूलिंग सिस्टम की विश्वसनीयता एवं उपलब्धता में सुधार होने के साथ जल रिसाव से उत्पन्न संभावित जोखिमों और उत्पादन संबंधी व्यवधानों को कम करने में मदद मिलेगी।

विभागों के समन्वित प्रयास से मिली सफलता

मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा के मार्गदर्शन में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, ऑपरेशन, इंस्ट्रुमेंटेशन और सुरक्षा विभागों की टीमों ने समन्वय एवं सतत निगरानी के साथ इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा किया। महाप्रबंधक (मैकेनिकल), एसएमएस-3 अजीत नारायण तथा उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल), बीओएफ राकेश वृष्णवंशी और उनकी टीम का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

हुड असेंबली को हटाने, नई असेंबली स्थापित करने, अलाइनमेंट और वेलडिंग से संबंधित कार्य व्यवस्थित योजना के तहत किए गए। इसके लिए चौबीसों घंटे मानव संसाधनों की तैनाती की गई और संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखा गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सभी टीमों ने साप्ताहिक प्रयास से कार्य को सफल बनाया। कन्वर्टर-1 की हुड असेंबली का यह प्रतिस्थापन भिलाई इस्पात संयंत्र की तकनीकी क्षमता, सुरक्षित कार्यप्रणाली और चुनौतीपूर्ण औद्योगिक कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईटीआई क्लस्टर के उन्नयन में बीएसपी बनेगा एंकर इंडस्ट्री पार्टनर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ शासन और बीएसपी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के तहत छत्तीसगढ़ शासन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के अंतर्गत बीएसपी दुर्ग हब-एंड-स्पोक आईटीआई क्लस्टर के उन्नयन में एंकर इंडस्ट्री पार्टनर की भूमिका निभाएगा। इस पहल का उद्देश्य शासकीय आईटीआई का आधुनिकीकरण कर युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देना और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना है। 13 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के सचिव डॉ. बसवराज एस. की गरिमामयी उपस्थिति में समझौता हुआ।



भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में राज्य शासन की ओर से संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण हेमंत रमेश नंदनवार तथा बीएसपी की ओर से महाप्रबंधक प्रभारी (मानव

संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

प्रस्तावित क्लस्टर में शासकीय आईटीआई, दुर्ग को हब के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं, शासकीय आईटीआई

भिलाई, शासकीय महिला आईटीआई भिलाई, शासकीय आईटीआई डौंडीलोहारा और शासकीय आईटीआई राजनांदगांव को स्पोर्ट संस्थानों के रूप में शामिल किया गया है। इस व्यवस्था से प्रशिक्षण सुविधाओं और संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए

कौशल विकास कार्यक्रमों को औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

पीएम-सेतु योजना के तहत आईटीआई में प्रशिक्षण अधोसंरचना का आधुनिकीकरण, कार्यशालाओं एवं प्रयोगशालाओं का उन्नयन और उभरती प्रौद्योगिकियों पर आधारित पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। इसके साथ ही प्रशिक्षकों के कौशल विकास, कार्यस्थल आधारित प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट के अवसरों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

प्रशिक्षणार्थियों को करियर मार्गदर्शन, मेंटरिंग और रोजगार संबंधी सहायता उपलब्ध कराने की योजना है। महिलाओं के कौशल विकास के अवसर बढ़ाने और उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

त्योहारों से पहले सराफा बाजार की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

एसएसपी ने बाजार का किया भ्रमण, व्यापारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आगामी त्योहारों के मद्देनजर सराफा बाजार में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दुर्ग पुलिस ने तैयारी तेज कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सराफा बाजार का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सराफा कारोबारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शनिचरी बाजार क्षेत्र में यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए वन-वे व्यवस्था का पालन करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और व्हाइट मार्किंग के अनुसार वाहन खड़े करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे चालू और दुरुस्त रखने के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से निजी सुरक्षा गार्ड तैनात करने की सलाह भी दी।



सराफा व्यवसायियों के साथ आयोजित बैठक में अन्य राज्यों से आने वाले कुछ व्यक्तियों द्वारा कथित धोखाधड़ी तथा दुर्ग, पाटन और आसपास के क्षेत्रों में सराफा कारोबारियों के साथ सामने आए मामलों पर चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारिक लेन-देन

के दौरान संबंधित व्यक्तियों की पहचान और भुगतान को पट्टि करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, नगर पुलिस अधीक्षक भारती

मरकाम, कोतवाली थाना प्रभारी, सराफा संघ के अध्यक्ष प्रकाश सांखला सहित 50 से अधिक व्यापारी और संघ के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में त्योहारों के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। व्यापारियों ने पुलिस की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त किया।

व्यापारियों और नागरिकों से अपील

दुर्ग पुलिस ने व्यापारियों से प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे चालू रखने, आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। वहीं, आम नागरिकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने, वन-वे व्यवस्था का पालन करने और सड़क पर अनधिकृत पार्किंग से बचने कहा गया है।

छह मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

डूबने और सपदर्श से हुई थी मौत, कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के तहत दी स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

जिले में दुर्घटना और सपदर्श के कारण जान गंवाने वाले छह लोगों के परिजनों को जिला प्रशासन की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रत्येक मृतक के परिजन के लिए 4 लाख रुपये की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इस तरह कुल 24 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों में पांच लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई थी, जबकि एक की मृत्यु जहरीले सांप के काटने से हुई थी। शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के तहत यह सहायता स्वीकृत की गई है।

जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायता पाने वाले परिजनों और मृतकों का विवरण इस प्रकार है: मानसिंह कुरें: अहिंवारा बायपास रोड स्थित नहर पुलिया के पानी में डूबने से 5 अक्टूबर 2025

को मृत्यु हुई थी। उनके पुत्र कमल कुमार कुरें को 4 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है।

भगवती ठाकुर: ग्राम औरी, तहसील पाटन निवासी भगवती ठाकुर की 4 सितंबर 2025 को औरी नाला के पानी में डूबने से मृत्यु हुई थी। उनकी पत्नी ललिता बाई को 4 लाख रुपये दिए जाएंगे।

अशोक निषाद: पीसेगांव निवासी अशोक निषाद की 12 जनवरी 2025 को कोलिहापुरी तालाब में नहाते समय डूबने से मृत्यु हुई थी। उनकी माता सुकन बाई को 4 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है। अरविन्द कुमार कोशले: अर्जुन नगर, सुपेला, भिलाई निवासी अरविन्द कुमार कोशले की 30 अप्रैल 2025 को मोरदा डेम में नहाते समय डूबने से मृत्यु हुई थी। उनकी माता विमला कोशले को 4 लाख रुपये मिलेंगे। राशि तांडी: सेक्टर-8, भिलाई निवासी राशि तांडी की 4 अक्टूबर 2023 को घर में जहरीले सांप के काटने से मृत्यु हुई थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना: दुर्ग जिले के 170 हितग्राही अपात्र

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत दुर्ग जिले में विभिन्न कारणों से अपात्र पाए गए 170 हितग्राहियों की सूची जारी कर दी गई है। इस सूची पर दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। संबंधित हितग्राही अथवा अन्य व्यक्ति 23 अक्टूबर 2026 को शाम 5:30 बजे तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थायी प्रतीक्षा सूची, आवास प्लस सूची और मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की सूची में शामिल ऐसे हितग्राही, जो निर्धारित नियमों के अनुसार अपात्र

पाए गए हैं, उनके नाम विलोपित किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। इसके लिए संबंधित ग्रामसभाओं और जिला स्तरीय अपील समिति का अनुमोदन लिया गया है।

आवास प्लस सूची के 31, मुख्यमंत्री योजना के 139 हितग्राही जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की आवास प्लस सूची में शामिल 31 हितग्राही अपात्र पाए गए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की सूची में 139 हितग्राही अपात्र हैं। इस तरह कुल 170 हितग्राहियों की सूची का प्रकाशन दावा-आपत्ति के लिए किया गया है। प्रकाशित सूची का अवलोकन संबंधित ग्राम पंचायत भवन, दुर्ग जिले की आधिकारिक

वेबसाइट durg.gov.in तथा जिला पंचायत दुर्ग की वेबसाइट X.zp.durg.com पर किया जा सकता है। दावा-आपत्ति जिला पंचायत दुर्ग के प्रथम तल स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शाखा अथवा जिला पंचायत की आवक-जावक शाखा में जमा की जा सकती है। इसके अलावा साधारण डाक, पंजीकृत डाक या स्वयं उपस्थित होकर भी आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 23 अक्टूबर 2026 को शाम 5:30 बजे के बाद प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए संबंधित हितग्राहियों और अन्य पक्षों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना होगा।

संतोषी चौक में मां दुर्गा पंडाल में पहुंचे रेखराम बंछोर

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

संतोषी चौक, जामुल के वार्ड क्रमांक 03, 05 एवं 06 के मध्य आयोजित मां दुर्गा पूजा पंडाल में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री रेखराम बंछोर शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में रेखराम बंछोर की धर्मपत्नी एवं दो बार की पार्षद तथा पीआईसी सदस्य श्रीमती जामिनी बंछोर भी उपस्थित रहीं। उनके साथ जामुल मंडल के महामंत्री ओमप्रकाश साहू, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, एनजीओ जिला सहसंयोजक ऋषभ बंछोर, अमिता बंछोर, प्रवीण वर्मा एवं हर्ष साहू मौजूद रहे। इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति की ओर से टिकेंद्र साहू, गबर यादव, राजेश यादव सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे। सभी ने पूजा आयोजन में सहभागिता की और मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

देव नगर जामुल में मां दुर्गा की आरती में शामिल हुए रेखराम बंछोर

जामुल। देव नगर, जामुल के वार्ड क्रमांक 10 स्थित मां दुर्गा पूजा पंडाल में आयोजित आरती



में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री रेखराम बंछोर शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में श्री रेखराम बंछोर की धर्मपत्नी, दो बार की पूर्व पार्षद एवं पीआईसी

सदस्य श्रीमती जामिनी बंछोर भी उपस्थित रहीं। उनके साथ जामुल मंडल के महामंत्री ओमप्रकाश साहू, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, एनजीओ जिला सहसंयोजक ऋषभ बंछोर, अमिता बंछोर, प्रवीण वर्मा एवं हर्ष साहू ने भी मां दुर्गा के दर्शन किए।

इस अवसर पर दुर्गोत्सव समिति की ओर से मिठईया, प्रेमलाल साहू, राहुल शर्मा एवं राजेंद्र शर्मा सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की आरती में सहभागिता की।

फर्जीवाड़ा इंडियन बैंक के 81 खातों के दुरुपयोग का मामला, कमीशन लेकर ट्रांसफर करते थे रकम

साइबर ठगी के म्यूल अकाउंट मामले में 5 और आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देशभर में साइबर ठगी से प्राप्त रकम को बैंक खातों के माध्यम से ट्रांसफर करने के मामले में दुर्ग जिले की खुशीपार पुलिस ने 5 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने बैंक खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम प्राप्त कर कमीशन के बदले उसे दूसरे खातों में ट्रांसफर करने में सल्लिप्त थे। इस मामले में पहले भी 4 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक, गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर इंडियन बैंक के 81 खाताधारकों से संबंधित साइबर धोखाधड़ी का मामला थाना खुशीपार में दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल देश के विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी से प्राप्त रकम जमा करने और उसे आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था।

विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि



कुछ खाताधारक अपने बैंक खाते साइबर ठगी में सल्लिप्त व्यक्तियों को उपलब्ध कराते थे। ठगी की रकम खातों में जमा होने के बाद कमीशन लेकर उसे अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता था। इस तरह इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से अर्जित रकम के

लेन-देन में किया जा रहा था।

पुलिस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं: तपन कुमार, पिता गंगा प्रसाद कुमार, उम्र 40 वर्ष, निवासी बालाजी नगर, खुशीपार।

गौरव साहू, पिता तूतन साहू, उम्र 23 वर्ष,

निवासी शंकर नगर, थाना मोहन नगर। जसमीत, पिता उत्तम सिंह, उम्र 23 वर्ष, निवासी शिवाजी नगर, खुशीपार। निखिल नेम, पिता भानु प्रताप नेम, उम्र 22 वर्ष, निवासी एसटीएफ कॉलोनी, बंधरा, थाना दुर्ग। नरगिस बानो, पति इफ्फान अंसारी, उम्र 26 वर्ष, निवासी मछली मार्केट, खुशीपार।

इस मामले में अपराध क्रमांक 272/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इटर्) की धारा 318(2), 318(3), 318(4) और 238 के अंतर्गत कारवाई की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को न दें। कमीशन के लालच में बैंक खाता दूसरों को इस्तेमाल करने देना साइबर अपराध में सल्लिप्तता का कारण बन सकता है। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने या आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करने की अपील की गई है।

ऑनलाइन सट्टे में इस्तेमाल का खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ऑनलाइन सट्टे के लेन-देन में इस्तेमाल किए जाने वाले म्यूल बैंक खातों की खरीद-बिक्री के मामले में सुपेला पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल फोन, एक बैंक पासबुक और तीन एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में बैंक खाते कम कीमत पर खरीदकर अधिक कीमत पर बेचने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, 15 अक्टूबर को मुखबि से सूचना मिली थी कि नीरज गायकवाड़ और अंशु साव दाऊ बाड़ा तालाब के पास बैंक खातों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक के खातों की खरीद-बिक्री और ऑनलाइन सट्टे के लेन-देन में उनके इस्तेमाल की जानकारी सामने आई।



पुलिस के मुताबिक, नीरज गायकवाड़ ने अंशु साव से चार बैंक खाते 88 हजार रुपये में खरीदकर सिकंदर नामक व्यक्ति को एक लाख रुपये में बेचने की बात बताई। इनमें से एक खाते का इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टा पैनल के लेन-देन में किए जाने की जानकारी भी सामने आई। पुलिस के अनुसार, क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त रकम को सिकंदर के बचाए खाते में ट्रांसफर किया जाता था। इसके बदले प्रतिमाह 25 हजार रुपये मिलने की बात भी पूछताछ में सामने आई है। इसी तरह अंशु साव ने करण

सागरिया से चार म्यूल बैंक खाते 80 हजार रुपये में खरीदकर नीरज गायकवाड़ को 88 हजार रुपये में बेचने की जानकारी दी। पुलिस अब बैंक खातों में हुए लेन-देन और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों को पहचान नीरज गायकवाड़ (25), निवासी कृष्णा नगर, अंबेडकर चौक, सुपेला और अंशु साव (22), निवासी पुरानी बस्ती, सतनामी पारा, सुपेला के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।



संपादकीय

आस्था, शक्ति और संस्कारों का महापर्व नवरात्रि

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में नवरात्रि का पर्व विशेष
आध्यात्मिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व रखता है। यह केवल मां दुर्गा की पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि जीवन में शक्ति, साहस, संयम, समिधा और सकारात्मक विचारों को आमसा करने का महान्व है। नवरात्रि भारतीय जनमानस की उस अटूट आस्था का प्रतीक है, जो सदियों से समाज को धर्म, संस्कृति और संस्कारों के सूत्र में बांधती आई है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना के माध्यम से श्रद्धालु जहां आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं, वहीं यह पर्व उन्हें अपने भीतर की कमजोरियों को पहचानने और उन पर विजय पाने की प्रेरणा भी देता है।

नवरात्रि का आगमन होते ही देशभर में भक्ति और उत्साह का वातावरण निर्मित हो जाता है। मांदियों में विशेष पूजा-अर्चना, घरों में कलश स्थापना, अखंड ज्योति, त्रय-उपवास और दुर्गा सप्तशती के पाठ के साथ श्रद्धालु मां की आराधना में लीला हो जाते हैं। सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में आकर्षक साज-सज्जा, धार्मिक आयोजन, भजन-कीर्तन और सामूहिक आरती के दृश्य भारतीय संस्कृति की जीवंतता को प्रदर्शित करते हैं। छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों में नवरात्रि की अपनी विशिष्ट परंपराएं और मान्यताएं हैं। कहीं ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं, तो कहीं गरबा, डांडिया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मां की भक्ति व्यक्त की जाती है। इस आयोजन में उमड़ने वाली श्रद्धाओं की भाँझ यह बताती है कि आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच भी धर्म और आस्था का स्थान भारतीय समाज में आज भी महत्वपूर्ण है।

लेकिन इस पर्व की वास्तविक महत्ता केवल धार्मिक अनुष्ठानों, साज-सज्जा और उत्सवों तक सीमित नहीं है। नवरात्रि का मूल संदेश आत्मशुद्धि, आत्मसंयम और आत्मबल का विकास करना है। मां दुर्गा का स्वरूप हमें यह सिखाता है कि जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न आएँ, साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प के माध्यम से उनका सामना किया जा सकता है। महिषासुर पर मां दुर्गा की विजय बुराई पर अच्छाई, अन्याय पर न्याय और अहंकार पर विवेक की विजय का प्रतीक है। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना प्राचीन काल में था। समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, शोषण, भ्रष्टाचार, हिंसा और भेदभाव जैसी बुराियों के विरुद्ध सामूहिक चेतना और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है।

नारी सम्मान के बिना अधूरी है शक्ति की उपासना
नवरात्रि का सबसे महत्वपूर्ण संदेश नारी शक्ति का सम्मान और उसके समर्थकों की स्वीकार प्रतीक है। भारतीय परंपरा में नारी की देवी, जननी और शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और मां सरस्वती के स्वरूप क्रमशः शक्ति, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक हैं। इसके बावजूद समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, अप्रसन्नता, हिंसा और असमानता की घटनाएँ चिंता का विषय बनाई हुई हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि हम नौ दिनों तक देवी की आराधना करते हैं, तो क्या हम अपने दैनिक जीवन में महिलाओं को वह सम्मान और अधिकार दे पा रहे हैं, जिसकी वे अधिकारी हैं?

नवरात्रि हमें इस विरोधाभास पर विचार करने का अवसर देती है। कन्या पूजन की परंपरा तो भी सार्थक होगी, जब बेटियों को जन्म से लेकर शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने तक सम्मान अवसर प्राप्त हों। महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार और नागरिक का दायित्व है।

लेखिका: श्रीमती अश्विनी नागले

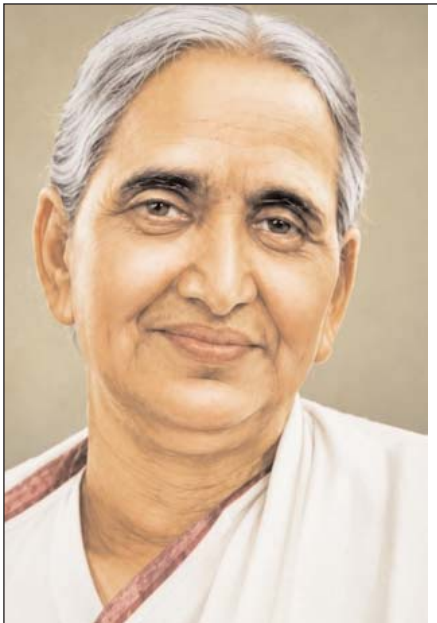
आप राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत व्यवस्था प्रमुख

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनका जीवन केवल उनकी अपनी कहानी नहीं रहता, बल्कि अपने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रकाशपुंज बन जाता है। वे अपने समय की परिस्थितियों से समझौता नहीं करते, बल्कि अपने विचार, साहस और साधना से परिस्थितियों को नई दिशा देते हैं। वंदनीय लक्ष्मीबाई मैकली जी, जिन्हें समूचा सेविका परिवार श्रद्धापूर्वक मौसी जी के नाम से स्मरण करता है, ऐसा ही एक तपस्विनी व्यक्तित्व थीं। रा.सेविका समिति के रूप में उन्होंने जिस विचार का बीजारोपण किया, वह आज भी दशकों की साधना के बाद एक विशाल वटवृक्ष के रूप में हमारे सामने है।

वर्ष 1936 केवल एक संगठन की स्थापना का वर्ष नहीं था; वह भारतीय नारी की अंतर्निहित शक्ति को संगठित रूप में राष्ट्रजीवन से जोड़ने के एक दूरदर्शी संकल्प का प्रारंभ था। उस समय का समाज अनेक परिवर्तनकारी परिस्थितियों से गुजर रहा था। देश स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत था, किंतु महिलाओं की शक्ति, प्रतिभा और नेतृत्व को संगठित दिशा देने की आवश्यकता भी उसी की महत्त्वपूर्ण थी। मौसी जी ने समाज की इस आवश्यकता को गहराई से समझा। उन्होंने अनुभव की शक्ति नारी केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि संस्कारों की संवाहक और राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने वाली शक्ति है। यदि इस शक्ति को उचित दिशा, संगठन और प्रशिक्षण मिला, तो वह राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उनकी दूरदृष्टि केवल तत्कालीन समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं थी, बल्कि अपने वाली पीढ़ियों के निर्माण पर केन्द्रित थी। इसी चिन्तन से महिलाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिष्ठा को केन्द्र में रखकर एक स्वतंत्र संगठन की आवश्यकता का विचार प्रकटित हुआ। मौसी जी ने नारी को केवल परिस्थितियों से अनुकूल ढलने वाली शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि परिस्थितियों को दिशा देने वाली राष्ट्रशक्ति के रूप में देखा। इसी दूरदर्शी विचार ने 1936 में राष्ट्र-सेविका समिति के रूप में साकार स्वरूप प्राप्त किया।

मौसी जी की व्यक्तित्व की जड़ें उनके बाल्यकाल के संस्कारों में थीं। उनके जीवन-वृत्त में वर्णित एक प्रसंग के अनुसार, उनकी माता यशोबाई लोकमान्य तिलक जी के समाचारपत्र 'इकसेरी' का वाचन असाधारण शिष्टाओं को एकत्र करके करती थीं। उस समय विदेशी शासक के निरदृष्ट राष्ट्रपीठ चेतना का प्रसार करना अपने आप में साहस और हठता का कार्य था। बालिका कमल ने अपने घर में ही राष्ट्रभूमि, विचारशीलता और सामाजिक जागरण का वातावरण देखा।

यही संकल्प आगे चलकर उनके जीवन की दिशा बनै।



नारी शक्ति - संस्कार, सामर्थ्य
और राष्ट्रधर्म

मौसी जी की दृष्टि में नारी की शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप के दायित्व व्यक्तित्व उपलब्धियों को है। बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के जीवन को समृद्ध बनाने में व्यष्टिगत देता है। जीजाबाई ने शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व में स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम के संस्कार विकसित किए। रानी लक्ष्मीबाई ने साहस और महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कर्तव्यपालन का आदर्श प्रस्तुत किया। जननी पंपरा ऐसे अनेक उदाहरणों से समृद्ध है, जिसमें नारी ने संस्कार देने का स्वायत्त नेतृत्व और संघर्ष का दायित्व भी निभाया। इसी परंपरा को आधुनिक संशुद्धनालक रूप देने का प्रयास मौसी जी ने किया। उनके विचार में साहस और सामर्थ्य, करुणा और साहस, परिवार के प्रति दायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण—ये परस्पर पूरक भाव हैं। राष्ट्र सेविका संघीत का सूत्र द्वास्त्रसी राष्ट्र को आधारशक्ति है। इसी व्यष्टिगत दृष्टि को कवि करता है।

संस्कारों को विकसित होते देखा। उन्हें लगा ये वैसा ही कार्य है जिसे वह महिलाओं के बीच करने की कल्पना कर रही थीं महिलाओं के बीच इसी प्रकार का संगठित कार्य होना चाहिए, जो उन्हें अपने सामर्थ्य का बोध कराए और राष्ट्रजीवन में उनके विशिष्ट योगदान को दिशा दे। इसी उद्देश्य से उन्होंने डॉ. केशव बलिराम देगोवार् से भेंट की। महिलाओं के लिए स्वतंत्र संगठन की आवश्यकता पर विचार-विमर्श हुआ। इस संवाद का महत्त्व इस बात में था कि मौसी जी ने केवल किसी सहायक व्यवस्था में महिलाओं के लिए स्थान खोजने की अपेक्षा नहीं की, बल्कि महिलाओं के व्यक्तिगत और सामर्थ्य के अनुरूप स्वतंत्र संगठन खड़ा करने का दायित्व स्वयं स्वीकार किया।

विजयदाशमी, 1936 को वर्धा में राष्ट्र सेविका समिति की प्रथम साक्षात् प्रारंभ हुई। एक विचार ने अब संगठित साधना का रूप ले लिया था। समिति के इतिहास में यह क्षण एक नए अध्याय का आरंभ था।

छोटी शुरुआत, विराट संकल्प

किसी भी संगठन का वास्तविक इतिहास उसकी स्थापना की तिथि से अधिक उसके बाद किए गए निरंतर परिश्रम की तिथि जाता है। मौसी जी ने व्यक्तिगत संपर्क, नियमित प्रशिक्षण, बौद्धिक विकास और अनुशासित कार्यक्रमद्विती के माध्यम से संगठन को आगे बढ़ाया। महिलाओं के लिए घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाना उस समय सहज नहीं था। फिर भी धैर्य और आत्मीयता से सेविकाओं का समूह नेवार आगे बढ़ाया।

समिति के अधिकांश कार्य इतिहास के अनुसार, वर्ष 1938 में पुणे में कार्यक्रम सस्सती ताई आटे ने मौसी जी

से भेंट के बाद अपना कार्य समिति के कार्य में समाहित कर दिया। यह घटना बनती है कि जब उद्देश्य व्यापक हो और ध्येय के प्रति निष्ठा हो, तब व्यक्तिगत प्रयास भी एक बड़ी सामूहिक शक्ति का रूप ले सकते हैं।

एक और उल्लेखनीय प्रयाग वर्ष 1947 का है। समिति के इतिहास में दर्ज है कि मौसी जी के कराची प्रवास के दौरान अग्रणी प्रतिस्तिथियों के बावजूद रात्रि में लगभग 1,200 सेविकाएँ उपस्थित हुईं। विभाजन के अंशतः समय में यह उपस्थिति संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और सामूहिक संकल्प का उल्लेखनीय उदाहरण है।

90 वर्षः अतीत का गौरव, भविष्य का संकल्प

आज 2026 में अमृतसिंह रायणा के 90 वर्ष पूर्ण कर रही है। यह अमरउत उन संस्कृत सेविकाओं की साधना को नमन करने का है, जिन्होंने अपने समय, श्रम और सामर्थ्य से इस विचार को आगे बढ़ाया।

आज की चुनौतियाँ बदल गई हैं। तत्कालीन अवसरों का विकास नहीं है, लेकिन नई पीढ़ी में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक संवेदनशीलता, अनुशासन और विवेक का विकास भी उतना ही आवश्यक है। परिवारों में संवाद, समाज में समरसता, बालिकाओं की शिक्षा, कोशल विकास, डिजिटल माध्यमों के प्रति जागरूकता और सेवा को भावना को सुदृढ़ करना आज के समय की महत्त्वपूर्ण आवश्यकताएँ हैं।

नौ दशकों की यात्रा हमें यह स्मरण करती है कि किसी विचार की वास्तविक सफलता तब होती है, जब वह कार्यकर्ताओं के जीवन में उत्तरकर समाज के लिए उपयोगी बनती है। यदि कोई सेविका किसी बालिका को शिक्षा में सहयोग देती है, उसे अपनी सुखशा के लिए सक्षम बनाती है, किसी परिवार के संकट में साथ खड़ा होती है या नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति चतुर्बल बोध जगाती है, तो वह उसी साधना को आगे बढ़ा रही होती है।

श्रद्धाजलि नहीं, जीवन में उतारने का संकल्प

मौसी जी को सच्ची श्रद्धाजलि केवल उनके जीवन का स्मरण करना नहीं, बल्कि उनके द्वारा प्रज्वलित ध्येय-ज्योति को अपने जीवन में जीवित रखना है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व संघर्ष को व्यापक सामाजिक दायित्व में बदला और एक विचार को संभालना का स्वप्न दिया। आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस विचार को सेवा, संस्कार, अनुशासन और समर्पण के माध्यम से आगे बढ़ाएँ।

नब्बे वर्षों की यह साधना हमें तीन सूत्र देती है—

—संस्कारों से चरित्र निर्माण, संगठन से सामर्थ्य निर्माण और सेवा से राष्ट्र निर्माण

वन्दनीय मौसी जी के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए हमारा संकल्प है कि सेवा हमारे जीवन की साधना बने, संस्कार हमारी पहचान बने, संगठन हमारी शक्ति बने और राष्ट्रकार्य हमारे जीवन का ध्येय बने।

यही मौसी जी के जीवन का संदेश है। यह है राष्ट्र सेविका समिति के नौ दशकों की साधना का सार। और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारा उत्तरदायित्व है।

कविता का कोना

मिट्टा दिया बीमारी ने हमें



हे भगवान ! अब तू ही रास्ता दिखा।
इस अंधेरे से हमें बाहर निकाल।
बीमारियों को जड़ से मिटा दे,
हमारे जीवन में फिर खुशियां डाल।
दर्द कम कर, हिम्मत बढ़ा,

टूटे मन को फिर से संभाल।
तेरी दया की एक किरण मिल जाए,
तो बदल जाए जिंदगी का हाल।

गवित्री -ममता दुबे
भिलाई

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। नवविवाहित दंपति के बीच आज मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा।

कर्क राशि : आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको कोई इच्छा पूरी होने से मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका कोई पुराना दोस्त आपको फोन करके आपको सपराइज देगा।

कन्या राशि : आज का दिन मीली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आप घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे।

तुला राशि : आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये हैं। आज आपको वे लोग ज्यादा महत्व देंगे जो आपको हर मामले में कम समझते थे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेंगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए हर मायने में बढ़िया रहने वाला है। आपकी किसी परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा।

कुपोषण को केवल बच्चे के दुबले या कमजोर दिखाई देने तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता



कुपोषण किसी बच्चे की पहचान नहीं है। वह ऐसी स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी स्थिति है, जिसकी समय पर पहचान, उपचार और निरंतर देखभाल से बच्चे को स्वस्थ बूढ़ि की राह पर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा सकता है। सेवा संकल्प अभियान के बीच अभिक्ताएँ के पोषण पुनर्वास केन्द्र की ये कहानियाँ बताती हैं कि सेवा का सबसे मान्य रूप तब दिखाई देता है, जब कमजोर बच्चे के स्वास्थ्य से सुधार आता है और परिवार के चेहरे पर चिंता की जगह उम्मीद लौटती है। 20 विसतरों वाला वह केन्द्र इसलिए केवल एक स्वास्थ्य सुविधा नहीं है। वहाँ उपचार पाने वाला हर बच्चा कुपोषण से सुपोषण, कमजोरी से बेहतर स्वास्थ्य और मुश्किलों से खुशहाल बचपन की ओर बढ़ती एक नई कहानी है। और फिर किसी बच्चे का वजन बढ़ता है, उसकी सक्रियता लौटती है और परिवार उस पर जबरन स्पर्श होते देखता है, तब सेवा का वास्तविक अर्थ सामने आता है— बढ़ता वजन सिर्फ तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि लौटती ताकत, मुस्कान और बचपन की कहानी है।

अम्बिकापुर में संचालित 20 बिस्तरों वाला पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद का केंद्र बन रहा है। वैश्व 2021-22 में महान 189 बच्चों के उपचार के साथ दर्ज दर 73 प्रतिशत थी। अप्रैल से सितंबर 2026 की अवधि में 248 बच्चों के उपचार के साथ यह दर बढ़कर 88 प्रतिशत उपचार की गई है। इन अंकड़ों के पीछे उन परिवारों की अनेक कहानियां हैं जो अपने कमजोर बच्चे को लेकर चिंता के साथ कंधे पहुंचे और उपचार एवं पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद लेकर घर लौटे।

शिवाजी, रसिम, प्रतीक और युवराज के बिदेस वजन में दिखी उम्मीद-केंद्र में उपचार प्राप्त करने वाले बच्चों के रिकॉर्ड इस बलदाव को और स्पष्ट करते हैं। शिवाजी का वजन 7.6 किलोग्राम से बढ़कर 8.840 किलोग्राम, रसिम का 9.3 किलोग्राम से 10.720 किलोग्राम, प्रतीक का 8.5 किलोग्राम से 9.370 किलोग्राम तथा युवराज का वजन 12 किलोग्राम से बढ़कर 13.980 किलोग्राम दर्ज किया गया। ये आंकड़े केवल वजन में आए बलदाव को नहीं बताते, बल्कि उपचार और पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर वृद्धि की दिशा में बच्चों के बढ़ते कमरों की तस्वीर भी प्रस्तुत करते हैं। हर बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है और केवल वजन बढ़े ? के आधार पर संपूर्ण स्वास्थ्य का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसके बावजूद नियमित निगरानी में वजन और वृद्धि में सुधार बच्चे की पोषण स्थिति का आकलन करने के महत्वपूर्ण संकेतकों में शामिल हैं।

बढ़ता वजन यात्रा लौटती उम्मीद-कुपोषण से कमजोर बच्चा कई बार अपनी ओर दूसरे बच्चों की तरह सामान्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं कर पाता। बीमारी और कमजोरी परिवार की चिंता भी बढ़ाती है। ऐसे में उपचार और उचित पोषण के बाद जब बच्चे की स्थिति में सुधार दिखाई देता है, तो यह पूरे परिवार के लिए राहत लेकर आता है। माता-पिता के लिए बच्चे का स्वस्थ होना किसी आंकड़े से कहीं अधिक मानने रखा है। इसलिए पोषण पुनर्वास केंद्र में किसी बच्चे का बढ़ता वजन केवल ताराज पर बढ़ती संख्या नहीं है। यह बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति के साथ परिवार में लौटती उम्मीद की कहानी भी है।

अस्पताल से घर तक जारी रहती है सुपोषण की यात्रा-एनआरसी में उपचार पूरा होना महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन बच्चे को कुपोषण से दूर रखने की जिम्मेदारी इसके बाद भी जारी रहती है। घर लौटने के बाद उम्र के अनुसार पर्याप्त और विविध आहार, स्वच्छता, बीमारी के दौरान उचित देखभाल तथा बच्चे की वृद्धि की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए एनआरसी में माता-पिता को बच्चे के पोषण और देखभाल से संबंधित व्यवहार का जानकारी देना उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उद्देश्य यह है कि परिवार स्वयं भी बच्चे की पोषण स्थिति को बेहतर बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी करे।

स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित संबंधित अमले का समन्वय इस व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। एक और स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार एवं पोषण पुनर्वासि और दूसरी ओर समुदाय स्तर पर आनिवारण एवं स्वास्थ्य सेवाओं को के माध्यम से निगरानी और मार्गदर्शन-दोनों मिलकर कुपोषण के विरुद्ध प्रभावी व्यवस्था तैयार करते हैं।

स्वस्थ बच्चा यानी स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव-बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्ष उसके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। पर्याप्त पोषण मिलने पर बच्चा स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ता है, अधिक सक्रिय रह सकता है और सीखने तथा सामाजिक गतिविधियों में बेहतर भागीदारी कर सकता है। इसलिए किसी बच्चे को कुपोषण से बाहर निकालने का प्रयास केवल वतमान बीमारी या कमजोरी का उपचार नहीं है। यह उसके बेहतर बचपन और भविष्य को मजबूत करने की दिशा में किया गया निवेश भी है। स्वस्थ और सुपोषित बच्चे ही स्वस्थ समाज और मजबूत मानव संसाधन की नींव बनेते हैं।

कुपोषण से लड़ाई अस्पताल से घर की थाली तक

कुपोषण से मुकाबला केवल अस्पताल के बिस्तर पर नहीं किया जा सकता। इसकी सफलता बच्चे की घर की थाली, माता-पिता की जागरूकता, आंगनवाड़ी की निगरानी, स्वास्थ्यकर्मीयों की सलाह और समय पर उपचार की संयुक्त व्यवस्था पर निर्भर करती है।

पोषण पुनर्वासि केंद्र की वास्तविक सफलता भी इसी में है कि उपचार के बाद बच्चा बेहतर पोषण स्थिति के साथ घर लौटे और परिवार उन व्यवहारों को अपनाए जो उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद करें।

अम्बिकापुर के एनआरसी में बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वासि के साथ परिवारों को जागरूक करने का प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ा रहा है।

लायंस क्लब इंटरनेशनल ने शिक्षाविद रामचंद्र शर्मा का किया सम्मान



शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए मिला सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़। शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले रायगढ़ के शिक्षाविद एवं समाजसेवी रामचंद्र शर्मा को लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा सम्मानित किया गया। उनके सम्मानित होने की खबर से शुभचिंतकों, शिक्षा जगत से जुड़े लोगों एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रसन्नता का माहौल है।

रामचंद्र शर्मा लंबे समय से शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सक्रिय रहे हैं। वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, समाज में सकारात्मक

बदलाव तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यों को विशेष महत्व देते हैं। उनका मानना है कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण की आधारशिला भी है।

लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा उन्हें प्रदान किया गया यह सम्मान शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि को गौरव का विषय माना जा रहा है। रामचंद्र शर्मा की इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 3 अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने मताधिकार की सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देश के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए सड़क पर उतरकर आवाज

उठा रहे हैं। भारत का संविधान प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार प्रदान करता है, लेकिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने आरोप लगाया कि मतदाताओं के इस अधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है।

सौरभ मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। संविधान ने नागरिकों को जो अधिकार दिए हैं, उनकी रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की आवाज और उसके मताधिकार का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए।

रिश्ते बेहद नाजुक होते हैं, इन्हें संभालकर रखना जरूरी : श्री अक्षयमुनि जी मसा

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन बालोद में आयोजित धर्मसभा में शासन दीपक श्री अक्षयमुनि जी मसा ने कहा कि व्यक्ति की जैसी भावना होती है, उसे वैसी ही सिद्धि प्राप्त होती है। कई बार रिश्ते तब हार जाते हैं, जब व्यक्ति जिद पर अड़ जाता है। रिश्ते बेहद नाजुक होते हैं और उन्हें संभालकर रखना जरूरी है। मां-बाप, भाई-बहन या भाई-भाई के बीच कोई भी रिश्ता हो, उसे टूटने में देर नहीं लगती। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर की चेतना जागरूक रिश्तों को बचाने का प्रयास करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि मोह हर प्राणी में होता है, लेकिन मनुष्य को अपनी भावनाओं और विचारों पर नियंत्रण रखना सीखना चाहिए। पहले के समय में महिलाएं दूर-दराज से सिर पर पानी

के घड़े लेकर आती थीं। इस दौरान वे आपस में बातचीत भी करती थीं, फिर भी उनकी एकाग्रता बनी रहती थी। आज व्यक्ति का ध्यान अक्सर विचारों और कल्याणों में भटकता रहता है। भावनाओं का जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए मन को स्थिर रखना जरूरी है।

प्रकृति से छेड़छाड़ के परिणाम भुगतने पड़ेंगे

श्री अक्षयमुनि जी मसा ने कहा कि मनुष्य अंधाधुंध पैड़ों की कटाई कर रहा है और प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ रहा है। इसके दुष्परिणाम भविष्य में भुगतने पड़ेंगे। प्रकृति ने पानी को स्वच्छ रखने की व्यवस्था की है, लेकिन मनुष्य स्वयं उसे दूषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसा का सहारा कभी नहीं लेना चाहिए। आज व्यक्ति खुद भी शांति से नहीं जी रहा और दूसरों के

जेसीआई रायपुर सुपर चैप्टर की अर्बोर्ड नाइट में प्रतिभाओं का सम्मान, 2027 के पदाधिकारियों की घोषणा

उत्कृष्ट कार्यों के लिए अध्यायों और सदस्यों को मिले पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

न्यू शांति नगर स्थित वितारा हॉल में 13 अक्टूबर को जेसीआई रायपुर सुपर चैप्टर (जोन-27) की अर्बोर्ड नाइट एवं वर्ष 2027 के नवीन पदाधिकारियों की घोषणा का भव्य आयोजन किया गया। शाम 6:30 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में विभिन्न अध्यायों के पदाधिकारी, सदस्य, पूर्व अधिकारी, संरक्षक और सलाहकार मंडल के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में वर्ष 2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यायों और सदस्यों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जेसीआई सुपर चैप्टर की ओ-



ऑर्डिनेटर लीना वादेर एवं डायरेक्टर चित्रा चोपड़ा ने बताया कि जेसीआई स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित संयुक्त सामान्य सभा में रायपुर के 12 अध्यायों के अध्यक्षों, सचिवों, अध्याय प्रभारियों और को-ऑर्डिनेटर्स की घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि नए पदाधिकारियों के चयन से पहले अध्यक्ष पद के दावेदारों के साक्षात्कार लिए गए। इस दौरान जेसीआई से संबंधित जानकारी और नेतृत्व क्षमता का आकलन

किया गया। इसके बाद पूर्व अध्यक्षों एवं वरिष्ठ सदस्यों की सहमति से पदाधिकारियों का चयन किया गया।

कई श्रेणियों में अध्यायों को

मिला सम्मान अर्बोर्ड नाइट में जेसीआई रायपुर एमएआईसी यूनाइटेड ने बेस्ट ड्रेस अप, मैक्सिमम अटेंडेंस, बेस्ट डिसिप्लिन और बेस्ट अर्बोर्ड नाइट एंड इंस्ट्रक्शन सहित कई श्रेणियों में पुरस्कार हासिल किए। जेसीआई रायपुर कैपिटल को मैक्सिमम न्यू

मेंबर ग्रोथ, बेस्ट प्रोटोकॉल और फैमिली कार्निवल के लिए बेस्ट पीआर प्रोग्राम का पुरस्कार मिला। जेसीआई रायपुर रॉयल कैपिटल को मैक्सिमम मेंबर रिटेंशन अर्बोर्ड मिला, जबकि जेसीआई रायपुर संस्कार को 35 प्रतिशत परसेंट वाइज ग्रोथ के लिए सम्मानित किया गया।

जेसीआई रायपुर नोबल को जोन इवेंट होस्टिंग और हनुमान जयंती कार्यक्रम के लिए बेस्ट कल्चरल इवेंट का पुरस्कार मिला। जेसीआई

रायपुर वामा कैपिटल को स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट प्रस्तुति, बेस्ट ट्रेनिंग और जेसीआई वीक में बेस्ट प्रोग्राम के लिए सम्मानित किया गया। जेसीआई रायपुर यूथ कैपिटल को सदस्यों के लिए रचनात्मक कार्यक्रमों के लिए पुरस्कार मिला। वहीं, जेसीआई रायपुर वामाजलि, उमंग और संगवारी सहित अन्य अध्यायों को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

व्यक्तिगत श्रेणियों में जेसी यशराज भंडारी को बेस्ट सेक्रेटरी, जेसी सिद्धार्थ मुकीम को बेस्ट आईपीपी और जेसी डॉ. ऋषि पांडे को बेस्ट इंचार्ज का पुरस्कार मिला। जेसी पारस अग्रवाल और जेसी अरिजीत गोस्वामी को बेस्ट ट्रेनर के रूप में सम्मानित किया गया। जेसी कृति अग्रवाल को बेस्ट नेशनल ऑफिसर, जेसी भूमिका ठाकुर

को बेस्ट न्यू जेसी और जेसी रौनक बेंगानी को बेस्ट जेसी का पुरस्कार दिया गया। जेसी अमन अग्रवाल और जेसी सुरज अग्रवाल को बेस्ट प्रेसिडेंट ऑफ सुपर चैप्टर श्रेणी में विजेता घोषित किया गया। बेस्ट एलओ ऑफ सुपर चैप्टर श्रेणी में जेसीआई रायपुर रॉयल कैपिटल और जेसीआई रायपुर कैपिटल को विजेता के रूप में सम्मानित किया गया। इसके अलावा टीम आईटीसी और सुपर चैप्टर आइकॉन श्रेणी में भी सदस्यों को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सुपर चैप्टर के कोच अमिताभ दुबे सहित विभिन्न अध्यायों के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी, संरक्षक, सलाहकार मंडल के सदस्य और लगभग 300 सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जेसी कृति अग्रवाल ने किया।

निगम और मलेरिया विभाग का संयुक्त अभियान, 95 घरों का सर्वे

जवाहर नगर में डेंगू-मलेरिया पर वार



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

डेंगू-मलेरिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई और जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम ने आज वार्ड क्रमांक 25 जवाहर नगर में विशेष अभियान चलाया।

जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत के.एच.

मेमोरियल स्कूल के आसपास 95 घरों का सर्वे कर 158 प्रजनन स्रोतों की जांच की गई। 21 स्थानों पर जमा पानी मिला जिसे खाली कराया गया, इनमें 6 कुलर, 5 टैंकियां और 10 अन्य कंटेनर शामिल हैं।

मच्छरों के लार्वा को खत्म करने के लिए 45 कुलरों में एक्मूगार्ड और वयस्क मच्छरों के लिए 55 कुलरों में मेलाथियान का

छिड़काव किया गया। 85 घरों के अंदर-बाहर, सीढ़ियों के नीचे, अंधेरे-नमी वाले स्थानों और लैट्रिन-बाथरूम में भी छिड़काव किया गया। टीम ने घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया और पंपलेट बांटे। निगम ने अपील की है कि घरों में पानी जमा न होने दें और कुलर-टंकी की नियमित सफाई करें।

निःशुल्क चिकित्सा शिविरों से चार गांवों के 191 ग्रामीण लाभान्वित



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के तहत दुर्ग जिले के निकुम ब्लॉक के चार गांवों में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। ग्राम खमारिया, समोदा, पीसेगांव और भरदा में आयोजित इन शिविरों में कुल 191 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई। शिविरों में ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

ग्राम खमारिया में आयोजित शिविर में औषधि विशेषज्ञ डॉ. श्रेयश श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। नर्सिंग स्टाफ जान्हवी, रेणुका और पायल पवार सहित जिला चिकित्सालय की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ओमेश्वरी साहू ने पंजीयन एवं अन्य कार्यों में सहयोग किया।

ग्राम समोदा में आयोजित शिविर में 40 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इनमें 8 पुरुष और 32 महिलाएं शामिल थीं। ग्राम पीसेगांव में 11 पुरुषों और 25 महिलाओं सहित 36 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। वहीं, ग्राम भरदा में आयोजित शिविर में 16 पुरुषों और 30 महिलाओं सहित 46 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

समोदा एवं पीसेगांव में बीएसपी की ओर से डॉ. आलिया हुसैन, फार्मासिस्ट विविध बख्शिा और

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर

भिलाई इस्पात संयंत्र अपने सीएसआर कार्यक्रमों के अंतर्गत संयंत्र के परिधीय एवं खनिज क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रहा है। इनका उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराना है। इन प्रयासों के माध्यम से बीएसपी आसपास के ग्रामीण समुदायों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने सेवाएं दीं।

पंजीयन कार्य में राकेश कुमार ने सहयोग किया। समोदा में जिला चिकित्सालय की आरएचओ (एफ) कुसुम लता ठाकुर तथा पीसेगांव में आरएचओ (एफ) जया ताम्रकार ने शिविर के संचालन में सहयोग दिया।

इसी क्रम में ग्राम भरदा में आयोजित शिविर में बीएसपी की ओर से डॉ. सर्वेश प्रधान, फार्मासिस्ट विविध बख्शिा, नर्सिंग स्टाफ तुषित कुमारी और पंजीयन कार्य के लिए पायल पवार ने सेवाएं दीं। जिला चिकित्सालय की सीएचओ रौनित वाणी ने भी शिविर के संचालन में सहयोग किया।

प्रवचन अहंकार से बचें, तटस्थ भाव अपनाएं और जीवन में समर्पण व सद्भाव बनाए रखें व्यक्ति के जीवन में सुबह से शाम तक चलता है महाभारत

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन बालोद में आयोजित धर्मसभा में शासन दीपक श्री अक्षयमुनि जी मसा ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में सुबह से शाम तक महाभारत चलती रहती है। मनुष्य के भीतर सकारात्मक और नकारात्मक विचारों का संघर्ष निरंतर चलता है। ऐसे में जीवन का लक्ष्य भगवान श्रीकृष्ण की तरह सारथी बनना और परिस्थितियों के बीच तटस्थ भाव बनाए रखना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी जिंदगी एक नाटक की तरह है, जिसमें हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभाता है। संसार में घटनाएं निरंतर घटती रहेंगी, लेकिन उनके कारण मन की शांति भंग नहीं होनी चाहिए। मनुष्य अक्सर बाहरी परिस्थितियों से जुड़कर उनमें आसक्ति पैदा कर लेता है और इसी कारण दुखी होता है। जीवन में तटस्थ भाव अपनाना जरूरी है। महाभारत में दुर्योधन नकारात्मकता, पांडव सकारात्मकता और श्रीकृष्ण तटस्थता के प्रतीक

के रूप में दिखाई देते हैं। हमें भी अपने जीवन में विवेक और संतुलन बनाए रखना चाहिए।

अहंकार व्यक्ति को उन्नति नहीं, पतन की ओर ले जाता है

श्री अक्षयमुनि जी मसा ने कहा कि धन और पद का अहंकार नहीं करना चाहिए। आज जो व्यक्ति संपन्न है, परिस्थितियां बदलने पर वह दरिद्र भी हो सकता है। अहंकार किसी का भला नहीं करता, इसलिए अभिमान से दूर रहना चाहिए। मनुष्य को शुभ कार्यों, पुण्य और मोक्ष की आकांक्षा रखनी चाहिए। गलतियां होना स्वाभाविक है, लेकिन उनसे निराशा होने के बजाय अपनी गलतियों को पहचानकर जागरूक होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महावीर स्वामी और गुरु की वाणी को साधु-संत आगे बढ़ाते हैं। यह ज्ञान परंपरा अनंत काल से चली आ रही है। संसार को गहराई से समझने के साथ मान, माया और मोह के प्रभाव को भी पहचानना चाहिए। शिक्षक बच्चों की रक्षा और मार्गदर्शन करता है, वहीं साधु-संत

प्राणी मात्र के प्रति वात्सल्य और करुणा का भाव जगाते हैं।

आंतरिक शांति और ऊर्जा को बनाए रखें

मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति को अपनी आंतरिक ऊर्जा, शक्ति और शांति को कभी समाप्त नहीं होने देना चाहिए। दोहरी मानसिकता में जीने के बजाय अपने विचारों और आचरण में एकरूपता लानी चाहिए। श्रावक को धर्म और ध्यान में जीवन बिताते हुए भगवान महावीर का सच्चा अनुयायी बनने का प्रयास करना चाहिए। मां बच्चों को अक्षर ज्ञान देने के साथ मातृत्व और वात्सल्य के संस्कार भी देती है।

नारी के संदर्भ में उन्होंने शालीनता, मर्यादा और परिवार के प्रति समर्पण के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि लज्जा आंखों में होती है, घूंघट में नहीं। सामाजिक और पारिवारिक अवसरों पर वेशभूषा का चयन सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने परिवार, नगर और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने तथा ऐसे कार्यों से बचने की प्रेरणा दी।



धर्मसभा में श्री अक्षयमुनि जी मसा की प्रेरणा से रमेश नाहटा और मुस्कान सोनी ने पांच उपवास की तपस्या का संकल्प ग्रहण किया।

दुर्गा पंडालों में पहुंचे मंत्री गजेंद्र यादव, माता रानी के दर्शन कर दीं नवरात्रि की शुभकामनाएं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने शहर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने दुर्गासियों के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

मंत्री यादव ने धमधा नाका चौक, पुलगांव बस्ती, बोरसी कॉलोनी, वृंदानगर, प्रगतिनगर, बोरसीभांठा, पद्मनाभपुर और पोदियाकला बस्ती में विराजित माता रानी के दर्शन किए और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। इसके बाद वे पचरीपारा और गयानगर में आयोजित जस झांकी और जगराता कार्यक्रमों में शामिल हुए।

पचरीपारा में दुर्गात्सव समिति द्वारा आयोजित जस झांकी में प्रसिद्ध



कलाकार दुर्काल यादव के भक्तिमय गीतों ने माहौल को भक्तिरस से भर दिया।

इस दौरान मंत्री यादव ने उत्सव समितियों के सदस्यों से व्यवस्था की जानकारी ली और उनके

सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुर्ग में नवरात्रि के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम दिखता है, यह पर्व हमारी संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है।



भारत का सबसे खतरनाक जंगल सुंदरबन

विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियाँ सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती हैं। पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे। जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं



भारतीय प्राणी-विज्ञान सर्वेक्षण ने पहली बार सुंदरबन में पाए जाने वाले जीव-जंतुओं की विविधता का और उन पर मंडरा रहे खतरों का एक संपूर्ण संग्रह प्रकाशित किया है। उसके अनुसार इस नाजुक द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र में 2,626 जीव-जंतु रहते हैं।

‘सुंदरबन जैव विविधता के प्राणी समूह’ शीर्षक से प्रकाशित इस संग्रह में सुंदरबन की जैव विविधता पर पहली समेकित और अद्यतित जानकारी दी गई है। यह संग्रह अपने आप में एक विश्वकोश जैसी है। इसमें 2,600 प्रजातियों का उल्लेख किया गया है, जिनमें कुछ मैग्नोव पारिस्थितिकी की दृष्टि से नई

बड़ा नदी डेल्टा है। बहुत सी प्रसिद्ध वनस्पतियों और प्रसिद्ध बंगाल टाईगर का निवास स्थान है। यह डेल्टा धीरे धीरे सागर की ओर बढ़ रहा है। कुछ समय पहले कोलकाता सागर तट पर ही स्थित था और सागर का विस्तार राजमहल तथा सिलहट तक था, परन्तु अब यह तट से 15-20 मील (24-32 किलोमीटर) दूर स्थित लगभग 1,80,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ बड़ी तादाद

दलदली द्वीप समूह

बंगाल की खाड़ी में हुगली नदी के मुहाने (शरत) से मेघना नदी के मुहाने (बांग्लादेश) तक 260 किमी तक विस्तृत एक व्यापक जंगली एवं लवणीय दलदली क्षेत्र, जो गंगा डेल्टा का निचला हिस्सा बनाता है, यह 100-130 किमी में फैला अंतरस्थलीय क्षेत्र है। मुहानों के एक संजाल, लहरों वाली नदियों और अनेक नहरों द्वारा कटी हुई खाड़ियों के साथ इस भूक्षेत्र में घने जंगलों से ढके

सुंदरी का वन

सुंदरबन नाम संभवतः ‘सुंदरी का वन’ से लिया गया है, जिसका संबंध ईधन के लिए मूल्यवान लकड़ी उपलब्ध कराने वाले एक विशाल मैग्नोव वृक्ष से है। समुद्र तट के साथ वन मैग्नोव वाले दलदलों में परिवर्तित होते हैं; दक्षिणी क्षेत्र विभिन्न जंगली जानवरों और घड़ियालों से भरा हुआ है और वस्तुतः निर्जन है। यह बंगाल के शेर का आखिरी संरक्षित क्षेत्र और बाघ संरक्षण परियोजना का स्थल है। कृषि योग्य उत्तरी क्षेत्र में चावल, गन्ना, लकड़ी और सुपारी की खेती होती है।

सुंदरबन और उसकी जैव विविधता

ब्रह्मपुत्र डेल्टा का हिस्सा है। इस क्षेत्र में 104 द्वीप हैं। यहाँ जीव-जंतुओं की लगभग 2,487 प्रजातियाँ हैं।

यहाँ पाए जाने वाले कुछ विशिष्ट जीव-जंतु एवं उनकी विशेषताएँ

यहाँ पाए जाने वाले प्रसिद्ध बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) यहाँ के जलीय परिस्थितियों के अनुकूल हो गए हैं। वे तैर भी सकते हैं। यहाँ पाए जाने वाले कुछ जीवों में एशियाई छोटे पंख वाले ऊदबिलाव, गंगा की डॉल्फिन, भूरे और दलदली नेवले और जंगली रीसस बंदर प्रमुख हैं। यहाँ पक्षियों की 356 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें ऑस्त्रे, ब्राहिमनी चील और श्वेत पेट वाली समुद्री बाज प्रमुख हैं। इसके अलावा गुलाबी सिर वाला तोता, फ्लाईकेचर, वार्बलर्स और किंगफिशर

भी पाए जाते हैं।

कछुए व अन्य जीव

यहाँ कछुओं की 11 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें प्रसिद्ध ऑलिव रिडले कछुआ, हॉस्कबिल समुद्री कछुए और टेरापिन नदी कछुआ प्रमुख हैं। टेरापिन नदी कछुआ मीठे पानी में रहने वाला एक संकटापन्न जीव है। इसके अलावा यहाँ मगरमच्छ, मोनितर लेजरडस, साँपो की 30 प्रजातियाँ एवं कार्टिलेगिनस मछलीयाँ पाई जाती हैं। किंग कोबरा आइयूसीएनकी सुभेद्य सूची में शामिल है। यहाँ के मैग्नोव पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियों की लगभग 350 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से कार्टिलेगिनस मछलीयाँ, जिनमें अस्थियों के बजाय उपास्थि का कंकाल होता है, 103% तक हैं। सुंदरबन की समृद्धि का एक और संकेत यहाँ पाए जाने वाले 753 कीट की प्रजातियों से है। इनमें से 210 तितलियाँ और पतंगे हैं। इसके अलावा केकड़े, चिराट और झींगे की 334 प्रजातियाँ भी मौजूद हैं।

समस्या

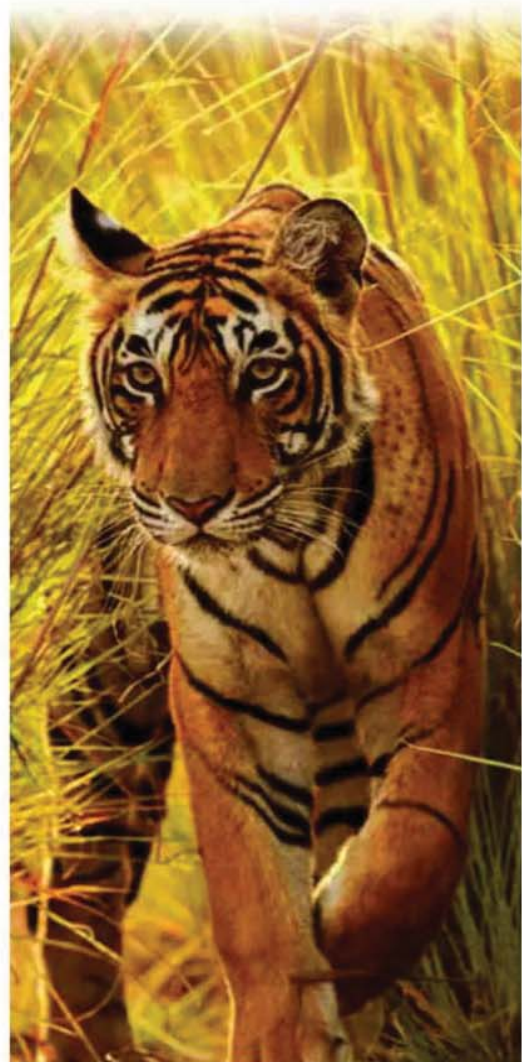
सुंदरबन का दलदलीय इलाका मानवीय आवासों के बढ़ते दायरे एवं प्राकृतिक खतरों से जूझ रहा है, जिसके कारण यहाँ स्तनपायी

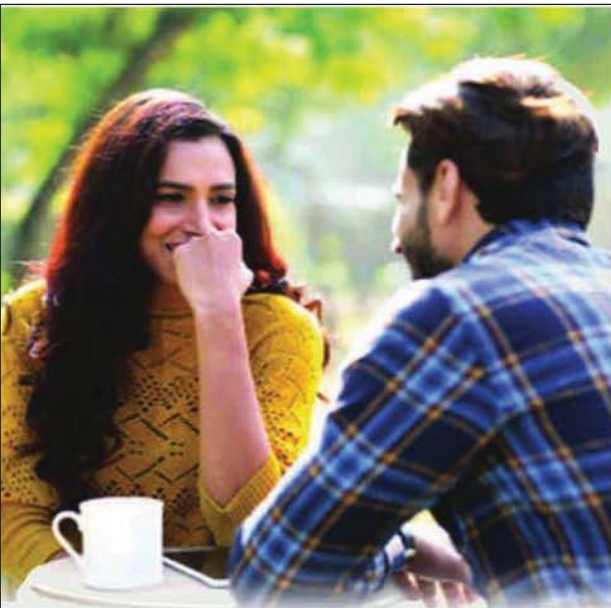
जीवों की संख्या घट रही है। गैंडा, दलदलीय हिरण, भौकने वाले हिरण, होंग हिरण और जल में रहने वाला एशियाई जंगली भैंसा अब सुंदरबन में नहीं पाए जाते हैं।

वन्यजीवों के लिए जन्म है सुंदरबन

सुंदरबन ऐसा वनों से घिरा हुआ इलाका जो वन्य जीवों को अपने में संजोए हुए हैं। विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियाँ सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती हैं। पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे। जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं जो अपने आप से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगे। तो चलिए जानते हैं

- सुंदरवन का यह नाम इस जंगली इलाके में भारी संख्या में मिलने वाले सुन्दरी पेड़ों से लिया गया है और साथ ही बंगाली भाषा के शब्द शुंदोर का प्रयोग करके इसका नाम सुंदरवन रखा गया। आम भाषा में लोग इस वन को सुंदरबन या सुंदरवन के नाम से जानते हैं।
- क्या आप जानते हैं सुंदरवन का इतिहास 200-300 ईस्वी के आसपास का माना जाता है और इसके प्रमाण बागमरा फॉरेस्ट ब्लाक में मिले अवशेषों से पता चलता है।
- सुंदरवन कुल 10,000 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ एक विस्तृत हरा-भरा जंगली इलाका है, जिसमें से 6000 वर्ग किमी बांग्लादेश में व भारत के हिस्से में 4110 वर्ग किमी आता है।
- क्या आप जानते हैं सुंदरवन को बंगाल टाइगर का घर भी कहा जाता है उदाहरण के तौर पर 2015 के आंकड़ों के अनुसार सुंदरवन में 180 टाइगर हैं जिसमें से 106 बांग्लादेश की सीमा में और 74 भारत की सीमा में रहते हैं।
- सुंदरवन को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया है।
- आपको जानकर हैरानी होगी सुंदरवन में भारत का सबसे बड़ा फिशरी बोर्ड है जहां सुंदरवन डेवलपमेंट बोर्ड 50 हेक्टेयर के इलाके में फिशरी प्रोजेक्ट चलाता है।
- सुंदरवन में विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा पाया जाता है उदाहरण के तौर पर गंगा और ब्रह्मपुत्र दोनों नदियों के एकीकरण से बने इस डेल्टा को बंगाल डेल्टा या ग्रीन डेल्टा भी कहते हैं।
- सुंदरवन का सर्वाधिक हरबरा होने का कारण यहाँ सर्वाधिक होने वाली वर्षा है इसी कारण इस स्थान को वर्षावन भी खा जाता है।
- क्या आप जानते हैं सुंदरवन के विशाल डेल्टा में 5-6 द्वीप नहीं बल्कि 54 छोटे छोटे द्वीपों का समूह है।
- अगर आपको फोटोग्राफी का क्रेज है तो सुंदरवन फोटोग्राफी की चाह रखने वालों के लिए स्वर्ण समान है क्योंकि इस सुंदर घने जंगल के दृश्यों के साथ ही यहाँ के वन्य जीव आपकी फोटोग्राफी में चार चौद लगा देंगे।





शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हा हल्की-फुल्की नोकझोंक तो घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं—

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात

में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किस पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।



यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिजीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लोगन या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीडियो पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिशा

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिशा की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकती हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिशा तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।



हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा टैक आपको कंफर्टबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटबिग पर पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये रिलीफिंग या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।



टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा वलीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें कि फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।



टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैपिंग पसंद है तो आप कैपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।



कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों की आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किस युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जानने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबल है जिसमें 'स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैम्प की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जानने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है (। मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें। इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

नराकास की चित्र देखें कविता लिखें प्रतियोगिता में आस्था झा प्रथम



विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग (नराकास) के सदस्य संस्थान राइट्स लिमिटेड, मध्य क्षेत्र निरीक्षण कार्यालय, भिलाई द्वारा आयोजित नराकास स्तरीय ह्रस्वचित्र देखें कविता लिखें प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह भिलाई इस्पात संयंत्र के एक्सपॉजिशन कार्यालय स्थित सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के उप महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) तथा नराकास भिलाई-दुर्ग के सचिव राघवेंद्र कुमार गर्ग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राइट्स लिमिटेड के संस्थान प्रमुख एवं समूह महाप्रबंधक (निरीक्षण) एच.एस. नायक, महाप्रबंधक (निरीक्षण) राजीव कुमार आहुजा, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिकी) राकेश श्रीवास्तव, उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन/राजभाषा) जितेंद्र दास मानिकपुरी सहित राइट्स के अधिकारी-कर्मचारी और नराकास के सदस्य संस्थानों के प्रतिभागी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि राघवेंद्र कुमार गर्ग ने कहा कि नराकास के सदस्य संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं और भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन से समिति को मध्य क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने राइट्स लिमिटेड द्वारा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद जताई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया।

हिंदी में शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर

राइट्स लिमिटेड के संस्थान प्रमुख एच.एस. नायक ने हिंदी को जनमानस की प्रिय भाषा बताते हुए शिक्षा के माध्यम के रूप में इसके व्यापक उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा भी हिंदी माध्यम से उपलब्ध होगी, जिससे विद्यार्थी अपनी प्रतिभा और क्षमताओं का बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

जितेंद्र दास मानिकपुरी ने विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं और रेल निर्माण के विभिन्न चरणों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने में राइट्स लिमिटेड के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए राइट्स की टीम की सराहना की। प्रतियोगिता में राइट्स लिमिटेड की सहायक, मानव संसाधन आस्था झा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भिलाई इस्पात संयंत्र की उप महाप्रबंधक, सीएडआईटी दीपमाला ने द्वितीय तथा राइट्स लिमिटेड की कनिष्ठ प्रबंधक, मानव संसाधन रूपल गौतम ने तृतीय स्थान हासिल किया। सांत्वना पुरस्कार भिलाई इस्पात संयंत्र की महाप्रबंधक, प्रोडक्शन प्लानिंग एंड कंट्रोल नीना राठौर तथा ऑक्सीजन प्लांट-2 की इंजीनियरिंग एसोसिएट रितिका रानी बाग को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने और कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

तांदुला जल संसाधन संभाग ने रवा जल क्रांति का इतिहास सिंचाई का रकबा 1.13 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद बीते 25 वर्षों में तान्दुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग ने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, अविभाजित दुर्ग जिले में सिंचाई का रकबा 87,930 हेक्टेयर से बढ़कर 1,13,538 हेक्टेयर हो गया है। इससे क्षेत्र के हजारों किसानों को सिंचाई सुविधा मिली है और कृषि उत्पादन बढ़ाने के अवसर मजबूत हुए हैं।

विभाग का उद्देश्य हर खेत तक पानी पहुंचाकर किसानों को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित

करना है। राज्य गठन के समय संभाग के अंतर्गत 97 सिंचाई परियोजनाएं संचालित थीं, जिनकी संख्या अब बढ़कर 118 हो गई है। वहीं, नहरों की कुल लंबाई 1,148 किलोमीटर से बढ़कर 1,349 किलोमीटर तक पहुंच गई है।

नहरों की लाइनिंग, जल वितरण संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण और गेट स्वचालन जैसी तकनीकों से पानी के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है। उद्बहन सिंचाई योजनाओं के माध्यम से ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक भी पानी पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिससे दूरस्थ खेतों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिल रही है।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से 42 हजार से अधिक किसानों को



प्रत्यक्ष लाभ मिलने की जानकारी विभाग ने दी है। नियमित सिंचाई की

उपलब्धता से किसानों को फसल उत्पादन बेहतर बनाने और कृषि पर

निर्भर आजीविका को मजबूत करने का अवसर मिला है। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन हासिल किया जा सके।

कृषक जल उपयोगिता समितियों के माध्यम से जल वितरण में किसानों की भागीदारी बढ़ाने और उपलब्ध पानी का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। सिंचाई आधारित कृषि गतिविधियों के साथ मत्स्य पालन और कृषि प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की संभावना है। जल संरक्षण के लिए विभाग द्वारा

वर्षाजल पुनर्भरण की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार, 265 रिचार्ज पिट और 300 सॉक पिट का निर्माण किया गया है। इसके अलावा जलाशयों की सफाई, गहरीकरण, मरम्मत और आधुनिकीकरण के माध्यम से जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जल प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए डीजीपीएस, ड्रोन सर्वेक्षण, जीआईएस मानचित्रण और रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। ई-ऑफिस और ऑनलाइन परियोजना निगरानी व्यवस्था के माध्यम से विभागीय कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

दुर्ग न्यायालय में डिजिटल न्याय की पहल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जमानत मुंबई और चेन्नई में मौजूद गवाहों के बयान व प्रतिपरीक्षण की कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुगम और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से दुर्ग न्यायालय में तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जहां एक जमानत आवेदन पर सुनवाई कर उसका निराकरण किया गया, वहीं मुंबई और चेन्नई में मौजूद महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज करने के साथ प्रतिपरीक्षण की कार्यवाही भी पूरी कराई गई। इस पहल से न्यायिक कार्यों में दूरी की बाधा कम करने और समय व संसाधनों की बचत करने में मदद मिल रही है।

एक प्रकरण में अधिवक्ताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर जमानत आवेदन पर अपना पक्ष रखा। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आवेदन का विधिवत निराकरण किया। वरुअल माध्यम से सुनवाई की सुविधा मिलने से अधिवक्ताओं को न्यायालयीन कार्यवाही में भाग लेने के लिए आवागमन की आवश्यकता कम हुई।

एक अन्य विचारधारा प्रकरण में मुंबई और चेन्नई में निवास करने वाले गवाहों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दुर्ग न्यायालय की कार्यवाही से जोड़ा गया। निर्धारित तकनीकी एवं विधिक



प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उनके बयान दर्ज किए गए और प्रतिपरीक्षण की कार्यवाही पूरी की गई। इससे गवाहों की लंबी दूरी की यात्रा से जुड़ी कठिनाइयों को कम करने के साथ न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सुविधा मिली।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुंजूर के मार्गदर्शन और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के निर्देशन में नागरिकों को डिजिटल न्याय एवं विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इन प्रयासों के तहत आम नागरिकों, अधिवक्ताओं, पक्षकारों और अन्य संबंधित हितधारकों को न्यायिक एवं विधिक सेवाओं में उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही पात्र व्यक्तियों को विधिक सहायता प्राप्त करने के माध्यमों से परिचित कराया जा रहा है।

दुर्ग न्यायालय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की यह पहल न्यायिक संस्थाओं तथा आम नागरिकों के बीच संवाद मजबूत करने और तकनीक के माध्यम से न्याय तक पहुंच को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बहुजन नायक कांशीराम के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बहुजन समाज पार्टी रायपुर जोन इकाई के द्वारा बामसेफ, उर4 व बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम साहब का 20 वीं परिनिर्वाण दिवस का आयोजन 9 अक्टूबर 2026 को दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर भिलाई में मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम संतो गुरुओं व महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर बहुजन नायक कांशीराम साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि माननीय दाऊराम रत्नाकर जी मुख्य जोन प्रभारी रायपुर व पूर्व विधायक पामगढ़ बसपा छत्तीसगढ़ थे। विशिष्ट अतिथि- सूरज तांडी, जय प्रकाश बंजारे, भूषण नादिया, करमन खटकर, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विनोद वासनिक ने की कार्यक्रम में मुख्य रूप से, भते बुद्ध घोष, प्रहलाद साहू, प्रयाग साहू, दीपक चंद्राकर, मुकेश महलारे, रमाशंकर अजगळे, कुष्णा कोसरेवाड़ा, नरेंद्र नारनवरे, त्रिलोचन डहारे, ईंदरलाल लहरे, हीरालाल टंडन, नागेश कोसरे, सचिन गवई, दीपेंद्र मेथ्राम, व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण पदाधिकारी गण व शुभचिंतक गण शामिल थे।

दुर्ग का सतीचौरा पूजन और भोज के बाद उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित करने में मदद दी जाती है

प्रदेश का एकमात्र मंदिर जहां नवरात्र में 9 दिन रोज होता है कन्या पूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शारदीय नवरात्र में जहां देशभर में अष्टमी-नवमी पर कन्या पूजन की परंपरा है, वहीं दुर्ग शहर के गंजपारा स्थित ऐतिहासिक श्री सतीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में पूरे 9 दिन प्रतिदिन कन्या पूजन और कन्या भोज कराया जा रहा है। यह प्रदेश का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां नवरात्र के पूरे नौ दिन बेटियों को देवी स्वरूप मानकर पूजा की जाती है।

मंदिर में शारदीय ऋतु नवरात्र पर्व पर 11 सितंबर से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे कन्या पूजन एवं भोज का आयोजन हो रहा है। सुबह 9 बजे माता जी के अभिषेक के बाद दोपहर में 150 से अधिक कन्या माताओं का पूजन कर भोज कराया जा रहा है। समिति के ईशान शर्मा और अर्जित



शुक्ला ने बताया कि रोजाना अलग-अलग सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियों को गाड़ी से मंदिर लाया जा रहा है। पूजन और भोज के बाद उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित

करने हेतु भेंट दी जाती है। इसमें बैग, वाटर बॉटल, टिफिन, ड्राईंग बुक, पेंसिल, रबर, शार्पनर, कॉपी, पेन बॉक्स, सेंट और 9 प्रकार के फल शामिल हैं। समिति का मानना

है कि बेटियां शिक्षित होंगी तो समाज भी शिक्षित होगा।

समाज सेविका सुश्री पायल जैन द्वारा प्रतिदिन सभी कन्या माताओं का तिलक पूजन कर चुनरी ओढ़ाकर फल और शिक्षण सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

20 अक्टूबर को होगा प्रदेश का सबसे बड़ा महाकन्या भोज सतीचौरा समिति द्वारा प्रतिवर्ष प्रदेश का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महाकन्या भोज कराया जाता है। इस वर्ष महाकन्या भोज का आयोजन 20 अक्टूबर, मंगलवार को होगा। इसमें हजारों कन्याओं की शोभायात्रा, पूजन, भोज और सामग्री वितरण किया जाएगा। इसके लिए समिति द्वारा सभी पाषण्डों को पत्र भेजकर अपने-अपने वार्ड से कन्याओं को लाने और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से सहयोग का आग्रह किया गया है। तैयारियां जोरों पर हैं।

13 पुलिसकर्मी सम्मानित रायपुर। यातायात व्यवस्था संभालने के साथ अपराध निवृत्त में भी तत्परता और साहस दिखाने वाले रायपुर के 13 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान किए। इन पुलिसकर्मियों ने अलग-अलग घटनाओं में लावारिस छोड़े गए नवजात को बचाने से लेकर लूट, चोरी और चाकू लहराकर लोगों को डराने वाले आरोपियों को पकड़ने में अहम भूमिका निभाई। 13 अक्टूबर को राजेंद्र नगर अंडरब्रिज में वीवीआईपी ड्यूटी के दौरान निरीक्षक गोविंद प्रसाद यादव और उनकी टीम की नजर मदर टेरेसा मिशनरीज के गेट पर एक व्यक्ति पर पड़ी, जो नवजात शिशु को छोड़कर भाग रहा था। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए नवजात को तत्काल नवकार हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

GOSWWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

◆ Hoardings ◆ Flex Banner ◆ Vinyl Printing
◆ One Way Vision ◆ Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address - 3rd Floor Shop No-1, Arcia Tower, M.C. Market

अर्चना फ्लाइ ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें 9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday Cakes Anniversary Cakes Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg

Followed by s_andeep

Follow Message

Order Now: @baked.by.suhani MO.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए बन्धु, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100